साँवरिया मन भाय गयो री

साँवरिया, मन भाय गयो री, x॥ -॥
साँवरिया, मेरो साँवरिया, x॥
साँवरिया, मन भाय,,,,,,,,,,,,,,,,

मुख से बोले, मीठी बानी ॥
मधुर बोल, सुनाए गयो री,
साँवरिया, मन भाय गयो री ॥
साँवरिया, मन भाय,,,,,,,,,,,,,,,,

यमुना तट पे, रास रचावे ॥
प्यारी मुरली, सुनाए गयो री,
साँवरिया, मन भाय गयो री ॥
साँवरिया, मन भाय,,,,,,,,,,,,,,,,

जब से देखी मैंने, साँवरी सूरत ॥
दिल में मेरे, समाए गयो री,
साँवरिया, मन भाय गयो री ॥
साँवरिया, मन भाय,,,,,,,,,,,,,,,,

चरण पकड़वा ते, किरपा मांगी ॥
अपनों प्यार, लुटाए गयो री,
साँवरिया, मन भाय गयो री ॥
साँवरिया, मन भाय,,,,,,,,,,,,,,,,
मेरो साँवरिया,,,,,,,,धुन
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20691/title/sanwariya-man-bhaye-gayo-ri

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |